

46

गुणरुज्जयाकृत्यो या ज्वं रुयमाव क थालिगिरु वनजालिक
 तमहिमधुल २ अक्षसंज्ञा ३ अक्षवक्ष ४ यमदिक ५ नमाकृ ६ दा
 कल ७ द्विविनि ८ धूमिमालसि ज्ञामधयाकमाकृला ९ ॥ १५ ॥

[illegible]

ममयद्वि

प्रलायाविनश्चनसर्वसत्त्वहृदययुग्मादकनश्चनगुन आहुतामिश्रगकधमि
 या रानयिलोलावज्जुमिश्राधनन ॥ ॐ ॥ १८ वागमहदि ॥ हाउ
 आरुलनकीयायिलसम्भनधनयिकवालिलरुसा १ गुक्त अदकमादियाम
 सानमकुठकमादीगमन ॥ ५ ॥ नननमानुहसंघनलाया समनसुदयि
 मानुकोना १ हमाविनाहिनि वज्जवानाहि हउमहियामानुसा ॥ ॥
 मालिसायन वनधुहमयन कथुलरुनयिकवाना १ वागमनिवावर्धवदिया

नञ्जाजमानुमधुनरुवलिना ॥ ॥ शिर्यधुदयठेहृद्यदिलानसम्भनय
 यिसहयिधुनरुफाना १ हमाविनाहिनि वज्जवालहि रुक्तविनुदयमिश्र
 दाना ॥ ॥ वावकिलिवावज्जु कलियाडला सकगुन वनन आवाध १ स
 मया आनहृदनिगानमधुल सम्भन वज्जवानाही ॥ ॐ ॥ १८ वागमि सा
 सगाधनधल दृढनधनाधन १ धानयधाय वज्जिमिश्र ॥ ॥ सदमदव
 रुद्रकासमय १ रुद्रवजागसुदीनव १ न १ ल ॥ ॥ वनूकवृवज्जधनस

विश्वनाथ

पद्मभिरा विष्णु

व॥ ॥ यद्विमादिगार्धन काला कल साखान दवी वृद्धा यनि गज वाहन
 त्व॥ ॥ दक्षि नदि गार्धन कर्न करिये न साखान दवी वा वाहि माहि रवास
 नी र्व॥ ॥ यत्न कान प्रदृष्ट सा स साखान दवी का मात्रि मयू वा स निरु व
 ॥ ॥ ने मृत्वा क न व श्चि व क म साखान दवी वे क वि गत्र ऊ स नी ॥ ॥ वा य
 य कान धा द कान म साखान दवी वा मू अ य ना स नि ॥ ॥ ॥ न गान क न कि
 लि किलाल म साखान द वि म हा न श्चि सिं हा स नी र्व॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

अकार पंक्त ॥

र ना ग र न वा वा अं का न स जा न यि ह क स वृद्ध मित्रि म या द य अ गि ना ग र न
 वा श्व क्ता य नी यी ना वा स की ना ग म व र शु य सी व न धूर्ति न ऊ व दा ॥ ॥ ॥
 डं ग म य कि क्माल म हा काल क व या ल या गी जा गि नी वा स श म य मां स म
 त्वा यं व वि ध शू क न गृ क्कु सा द द्दु यि व क्कु ॥ ॥ य म वा य व री जा क न दी न ट व न
 द यी य व या द पु व द स न वा श्व द्वा य नी धृ ता क क ना ग म ग हा न म वा द
 पू र्ति न ऊ ल दा ॥ ॥ ॥ म व री जा क वि हा न व वृ ल गु ल्हा क या द य न न र

नवाश्वायनीकृष्णमाकर्षकनागा कालाक्रवा नादिनजलदा॥
ववर्गजात यवर्गसमने वृत्तयादय कथीत तेनवाश्वा नादिनका यमकुर्ज
गा कर्नक तेनवा वलजलदा॥ ॥ कवर्गजात वृत्तयादय कर्दवया
दय काधर्त नवाश्वा मावीनका महायमा अदृष्ट हा सा यवकुर्जलदा॥
॥ नवर्गजात माहदिति जयकाटियादय डमन तेनवा श्वेद्वीय
मा अनक्रनागा लक्ष्मी वनरुता सनयूलनजलनदा॥ ॥ यवर्गजात

मूचगृहवाक अङ्गनयादय सहावत्तेनवा श्वामुञ्जानका कृवीकनागा योः
वाधकाला वरुका जलदा॥ ॥ मवर्गजात अनयः माने वटयादय
सीधत तेनवा २ महालक्ष्मीयता मय्याननागा किलिकिलिनावा वर्यसज
लदा॥ ॥ तेनवकालियादय हनना द्वादशनवना आवीरुवन्तमश्व
दवदने नवीकवदने नमामिहवृत्तवत् ॥ ५५ यहनसं ॥ ८८३३३३ ॥
८ नागवद्वेना ॥ क्वीजसंयुक्तधवनवत् ॥ साश्वद्वेननाम महाकाध

ॐ
विजयं

राजा ॥ ॥ तं ता हं १ तं ता तं क हं ॥ १ ॥ लाहित वल्लु कं वीज संजात
 १ का ला मा वि महा का ध ना जा ॥ २ ॥ अति वे न व य महा का ध ना जा २ म
 वीज सं जु न महा नी न व ल्लु ॥ ३ ॥ व का न सं जा त महा वी न ना म १ अति रु रु
 व ल्लु महा का ध ना जा ॥ ७ ॥ अ य ना जि न ना म महा का र ना जा १ वीज सं जु
 न अ रु न व ल्लु ॥ ८ ॥ अ का न सं जा त अति नी न व ल्लु १ सै व ल्लु क ना म महा का ध
 ना जा ॥ ९ ॥ य मा त क ना म महा का र ना जा १ वीज सं जा त मति नी न व ल्लु ॥

१ ॥ सं वीज सं जु न का क न व ल्लु १ क लि कि लि ना म महा का ध ना जा ॥ ८ ॥
 महा क लि कि लि अ वीज सं जा त १ य ना स व ल्लु अति का ध ना जा ॥ ९ ॥ ॥ ॥
 ना मा का मा द रं न वी ॥ वि य गी ङ ना थ कि या आ यि न वि यं ति १ ग रु स व रु व न
 ह न हि ति म् ॥ १० ॥ अ वि क ङ ना जा न य य अ ध ना १ ह म न दि वा य या स मि क
 ना मि ॥ ११ ॥ अ १ ॥ अ व व न य न म ति किं मा किं १ अ ह का र आ य रु द न क ना मि
 ॥ १२ ॥ अ य न न ना जा अ रु क न ना म य १ ह म रु ज दि द मु अ सि व ह ह स ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 समिन्नाथक उवाच ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 गदा नागा गदा नंकायुत्री ॥ ३ ॥
 लक्ष्मिने नवविद्यक रमणी ॥ ४ ॥
 वनाथ वक्रवर्मा वला ॥ ५ ॥
 रुक्माधरा ॥ ६ ॥

धनीया ॥ ७ ॥
 डंरवक्रवर्मा ॥ ८ ॥
 धान अलीयविष्णुसमरुध ॥ ९ ॥
 याय हन ॥ १० ॥
 वक्रवर्मा ॥ ११ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

उपनिषद् १०१

नैऋत्यलमानशब्दकीलशरीर ॥ अर्द्धसूक्तमज्जकोषश्रुतिनीलमूलनित्या
 मानवांसिनमालहलनंशयथिविसूनगतासयनागादिपुत्रनीमानशनेकीलय
 की ॥ ॥ दहदिहदाहहकानानयनमाभिदममहाकोषानशशासायनीयून
 नदानयतिनमानविघ्ननीवानुना ॥ ६७३ ॥ एनागामधूमनसयमूदितादिद
 मरुमीसूदनीसनमानमधुनसस्त्रिकनयनाद्वादमरुजवनवदनसूमासिता
 तजवानाहिकधुआनीगता ॥ ॥ ॥ ३ दहदिहहनेमानसयलसंवाधि

यान २ द्वा आनिंगानप्रदयस्वसावनायिदानमीसंवनमाया ॥ यम ॥ द्र
 लिसद्यधगाजत्रमोविधुलाकनमिउमनूधुतसारिता २ मर्कयूनिककयाव
 यदाकेयासयनधुवममिनयहगा ॥ ॥ यमजिनवलमक्रटआलकमा
 यउमडाहनमविहमीता २ आलिकालिद्रयिआलिटवाययिआद्यवमनिवा
 मनककनन ॥ ॥ नलमिलमालआलमधीसमनदिशवक्रमिनिकनूध
 हिया २ ऊमजममानुधुययमनतामावन्नियनमादिवजगीता ॥ ६७३ ॥

अमरनाथ

[illegible]

नेक वृत्तिनि गाय

वृत्तवर्गविमलकलसं २ महाभागाद्वीर्यवाधिविल्वयसमयसत्त्वकीरु
मं ॥ २५०३३५ ॥ आगमनामनामकवममिनिनायसुदमि २ अममदसुअयह
नमकिनह २ ॥ ५ ॥ अममदवीवानुमासमकीदवी २ अममयमादिनमय
नसूनामा ॥ ॥ आगमवदयलाननयान २ आगधमीदि दामुनूडयामा
॥ यमवृद्धनयअहुमा २ सयालआमिनिमा अहनुवदहहनुव ॥
॥ सतगुनवमसिल्यगतधलिया २ ननयिवाकवदसनासुनयि ॥ २५०३३५

नेमहं २०

रवागमध्वननेविमानमहं अकालनयधनु २ सवृविमलडनाधनु ॥ ५
॥ ननाहं २ ननातकहं २ नना ॥ यम ॥ अहंदा अलिहंदायागधनु २ वदयधम
दाधनु ॥ ॥ धवलससंखनदहधनु २ सवदगुल्लहियवदमनु ॥
॥ मायादहलीनअंगु २ साहियकनुमसत्वमहं ॥ २५०३३५ ॥ आगकाभाय
नेवि ॥ अहंवीआहव रवममदलनवममदलिनमनयकमधमा २ दादसुअजोवदना
दादसवहुन नकनयं ॥ ५ ॥ नमामिनीविचकध्वन २ मानरुयहयहनं ॥

२ कवि



सुवेनिगंजन २३

रनागममलिना नानासाधनासु निर्वर्तनयनमयकुशुभमायसंहावृक्षावहविषयसं
 हावदानानासिमयिजावृक्षा ॥ ॥ नउत्तावननिर्वर्तनतदिनरुसासहासुहवर्क २
 आसावयिमनसावतयिमायवसाहयिकर्क ॥ ॥ गुरुमनुमकुविवर्कयिनाम
 विद्वनविकर्क २ नरुसायवमहासुहानारुडिनविकर्क ॥ ॥ किमयदिविद्वसंहा
 वदोमिनितावयिमनसावृक्षानिर्वर्तनयनमयकुशुभमायसंहावृक्षावहविषयसं
 किमऊनेमायवद्वसहिनासावृक्षानिर्वर्तनमिद्वृक्षमिसामलवद्वज्जलनयसंहावृ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

एवमेतिदिदिदि २२

[illegible]

(विद्वान्)

वक्रिहयवधनमहाकाधवदनं॥ अ॥ यायुधनयना नाक्षसहनमंशयीतानू
सवर्णकलावदनं॥ ने॥ मन्नाधियतिलाहितग्यामाश्वातावितामनदष्टक
वदना॥ वा॥ राहनाधियतिनिहकनमंशकाधवदनंहरितनीलासा॥ ॐ॥
द्वादशीनंमहाकाधवदनंशुक्रियादिदवीजालिर्मेदाश्चीवकसम्बनयधदग
वन्ति॥ गीतकलिम्भा॥ ॐ॥ ॥ रागाकर्तृदिगानगय॥ विहङ्गावाययिय
गिनीदकवाविश्कमलकलिधयशुकनक्षनविहारा॥ ॥ यागिनीगुप्तवि

१६ विजयसिंह २०

दूखनरुनजीवयोश्चानामहवृषिय कमलनसयिवसि॥ ॥कयद्रुथागिः
नीलयनजायिश्मसिकलवहियानादियानसमान॥ ॥सासुहयसघात
कृन्वियदात्राश्चदसूर्येयययदक्षराज॥ ॥रतयिगुंदनिष्ठाद्रुद्रुवीना
श्चनयनालिमाशुउत्तयउवीनाया॥ ॥सययुजाकु॥एनागकामाउ॥मात्रव
दंगान॥हंविजससुवत्वसमदहानवरसद्विभंगलक्षयवाश्चादगसुजावदवद
नंदादगवर्जलनकननं॥ ॥नमामिगीविनकयनामनगरवरुयहर्ग॥

१७ विजयसिंह २०

॥दलुर्विगतियी॥०॥धनदुनीभावोनवीनश्चराश्चकुश्चकयनिवृत्तादवी
संयुक्तैयकालितस्तिगां॥ ॥यहसंयुटशालिकालिखदाकामश्रुतिसुदवा
श्चादगदमीनकनावानमासिबकसंनयाया॥ ॥मानगुनूननसमिश्रगदध
नियात्तनयिगीतगीकूलिमाश्चानयतिमनाद्वयसयमधुलश्रावाधिया॥ ॥
॥वागनाट॥मानकति॥सकलजगगुनूसमववीनाश्चनयमकनूयकविनसूय
विला॥ ॥समवश्चनूमयिनायंश्चिविधिविकल्पविनाशननूय॥

॥०॥

३२ श्री

[illegible]

三

[illegible]

अथवा ३३

कथं नर नयिता धारा शराधनीला वल्लवचि न कला भव मधुलरु वलीना ॥
 शिखंधव्या कवशुदितान सधन यशिमयिषून्य रक्षना शरुमवीलादि नवजवाः
 नाही रुक्मविद्रुदहन मधुधारा ॥ ॥ रावतिलिला वरु कलिया डन मकगु
 नूव नर मज्जा नाध २ समया ज्ञान दह सूलितान मधुल सधन वरु जवा नाही ॥ ॥ ॥ ॥
 २ नागय २ ॥ रात्र ॥ ऊयं वा कलि ह नूव दय नली २ सय स नर स रज ग क ड ३
 दानली ॥ ॥ नर रावती यादु कमल महिमधुल मय नगनं मूनं वा न २ हा उ ॥

८ क्रि त व न इ न नि ३ ८

मालाकारुनसविहसिनमालनद्यधुलालासिदीशिदीनिसयनसिसिदिदि
नयना॥ ॥करटिलथेराशीवत्रुदनमधिनमाला॥ककसद्वारावमम
ककडा॥॥मिनसिसिद्वनकऊनसूना॥कसुनिकथूनसाधनसूनसान॥
॥रुनयिसूनरावजवावुलिदासा॥शीवजदवीयसादशीहत्रुवनाया॥
॥रागवसक्त॥गान॥जिनवमजननीयसाधनमन॥विवाशयिसमनेसंद
दालिंरागा॥ध॥नीलेशुहसनायशृङ्गाभनसंयुक्त॥राधमालिजसआनदन

[illegible][illegible]

निम्न ४२

वञ्चवध्वहन्वनायाश्चोहममनयागिनीयविमया ॥ १ ॥ आनन्दादिवाद्यवि
 आनन्दादिदवाश्चोहममनयायुद्धम् ॥ २ ॥ यथासितहिमवनिजकलह
 नृवीक्षवलिमूर्तेकायिवयिसर्भाय ॥ ३ ॥ अथानन्दकलचिर्वैभालिश्चोह
 अन्तकाकिलिनिवाजक ॥ ४ ॥ आलिकालिद्वयिनाध्वनन्तश्चवडयागिनीमं
 नलगीत ॥ ५ ॥ ययिभयिओम्बिनीमृदयसंथारगश्चोहकिकमलाकृविम
 वाजक ॥ ६ ॥ यस्मान्निगीतोनीवतालीश्चलयनचउसमहन्ववाया ॥ ७ ॥

[illegible]

वनप्रभुसूत्रमाला रुवनहनुकनूना ॥ ॥ नाचेवनमामिडी ससुनवीना श्वकया
गिनीनतिन मायशृङ्गा ॥ ॥ वज्रवावाहियह्ला आलिंगमकहृ २४ णिसंबी
नवीनश्वन समानसूवीना ॥ ॥ लमाकदहनदिदू माससूतदत्त श्वकनूना कनूना
नायल नायनलीयकन ॥ ॥ द्वादशरूजधमि नानिचववदत शनिन संहावय
मालकुंशलीना ॥ ॥ २०७ ॥ ॥ नाविशा समा नात्र गय ॥ ॥ डदिता नत्र नेया यवदाद ता
श्वनसूददामक काशललिता ॥ ॥ ध्यात्रद्रुमवसुव संतनिता श्वययनिन ॥

बोमबेन ठे

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

सर्वव्यापक

[illegible]

॥ कलियुगं नमानं दत्तं नृपकृष्णकर्मोदितं ॥ १ ॥
 नृपकृष्णकर्मोदितं नृपकृष्णकर्मोदितं ॥ २ ॥
 नृपकृष्णकर्मोदितं नृपकृष्णकर्मोदितं ॥ ३ ॥
 नृपकृष्णकर्मोदितं नृपकृष्णकर्मोदितं ॥ ४ ॥
 नृपकृष्णकर्मोदितं नृपकृष्णकर्मोदितं ॥ ५ ॥
 नृपकृष्णकर्मोदितं नृपकृष्णकर्मोदितं ॥ ६ ॥
 नृपकृष्णकर्मोदितं नृपकृष्णकर्मोदितं ॥ ७ ॥
 नृपकृष्णकर्मोदितं नृपकृष्णकर्मोदितं ॥ ८ ॥
 नृपकृष्णकर्मोदितं नृपकृष्णकर्मोदितं ॥ ९ ॥
 नृपकृष्णकर्मोदितं नृपकृष्णकर्मोदितं ॥ १० ॥

[illegible]

(संकायसंग्रहः) सर्वोपनिषद् २०
सर्वोपनिषद्

[illegible]

विकालस्थलियाडलाविमिकालरसाधनेनृयनयूदनयूजिकजिसजलवमेल
माया॥ ॥ हूं रुऊरुवऊकवालमयिधानिहादिधवलियाने२यकमृगतनस
कलिगडलात्रलाकृदहनयंवसान॥ ॥ उं आ४हूंरुडकलियवलविशसम
यनविगमियान२वनराहूलसंज्ञानअद्वयमहाकनूहते॥ ॥ ॐ ह्य
मयज्ञानरुतवद्विवायवमाज्ञान२वदसूर्यदयिकधननात्रयातालअष्टनाग
॥ ॥ ॐ दवलजिघानरुलधूयमाअसाहियान२ज्ञानिज्ञाकरुडकधनं
दानयगिनसर्वकार्यसाधन॥ ॥ कर्हयावलिअधियानवालमाननयन

पुस्तक संख्या २२

मा न श्रमा जा दान य नि स्या निया ल न स य न स त्व आ य श्राना य ॥ ८६०३० ॥ नागः
मल ग्री ॥ पद मति नु वि वर्कः अह मा म न म स व न ता म वि ता न दि म ति स
व स च दि ता व ॥ ॥ मा क नू त्त वि अ न्न द दि प द मा दा दि म न न र मा मा
मू द नू द ॥ सा द नू डि व वि द न ॥ ॥ कि स गु द नि वि दा दि म न न दि व
प्र मि य न स र ता म वि नि म क रा क नि अ य लु अ म लु अ न्न लो अ अ ला य ॥
॥ यो र व न म दि उ पा ख य नि स न न न र उ रि न म हा व व लो अ क न
दि न न म मा मि ति ॥ ८६०३० ॥ ८६०३० ॥

ASHA ARCHIVES

गुणगोविन्द

2871

पुस्तक संख्या ० ॥

(मा ग से न दि ता न स य ति ध र्मा ग)
(मा ग य व उ ति ता न क त ति क्रानि)
(मि त ला द न ला य न न क य जा)
उ दि ति ॥ २३

मा ग गृ ठ मा दा ना न म य व न वि ना स्य क थि २३० र स ०
म म ल ला य ॥ ॥ न उ र म न र ग क नि क मि या न म
य वा अ मि य अ मि य मि न र न द म र म र ड म न दि न यो डि न र
व य यि स वा ३ ॥ न व उ यो गी नी न न म ला २ व ड म व दि आ
लिं गी न का ल ॥ ३ ॥ ३० र रु ला ३ क न ध क वा नि र यो ड
२ आ लिं ग नू नि ला व र्ण वा न ॥ य ॥ ८६० ॥ ८६० ॥ ८६०
सं य र म व र्ण य र म न न थ य र व न यो डि ना यि ता स र ड ग क म ना व थ
य द म र्वे न ग ता नि नी पि त्वा स र वि क न्म मो ह क र र्ण डु कि नी हे र का
दि ना यः व क य